परम सम्मानीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी, प्रवासी भाइयो, बहनो और नौजवान साथियो !

- गुलाबी नगरी जयपुर में आयोजित हो रहे इस ऐतिहासिक 10वें प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन के अवसर पर मैं राजस्थान के प्रथम सेवक के रूप में सबसे पहले माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का तहे दिल से स्वागत करता हूं। मुझे खुशी है कि इस अवसर पर आप हमारे बीच यहां मौजूद हैं। मैं प्रधानमंत्री जी एवं प्रवासी भारतीय मामलात विभाग के केन्द्रीय मंत्री श्री वायलार रवि जी का आभारी हूं जिन्होंने मेरे आग्रह पर यह सम्मेलन जयपुर में आयोजित करने का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही देश–विदेश से आये सभी प्रवासी बंधुओं एवं आप सभी का मेरी ओर से एवं प्रदेश की महान जनता की ओर से इस मुबारक मौके पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ। इसके साथ ही आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से महत्वपूर्ण देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान में इस सम्मेलन का आयोजन हमारे लिए गौरव की बात है।
- हम सभी, प्रवासी भारतीय दिवस को विश्व के 150 से अधिक देशों में रह रहे 25 मिलियन भारतीयों को जोड़ने के एक उत्सव के रूप में देखते हैं। यह दिवस विदेशों में रहने वाले हमारे अपनों के साथ हमारे संबंधों को मजबूत बनाता है। हमें गर्व है कि विश्व के विभिन्न भागों में काम कर रहे प्रतिभाशाली लोगों में भारतीय मूल के लोगों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इन तीन दिनों में हम सभी को आपकी प्रतिभा और ज्ञान से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।
- भारतीयों की विलक्षण प्रतिभा, कुशाग्र बुद्धि, कार्यकुशलता, अद्भुत ज्ञान एवं परिश्रम की पूरे विश्व में प्रशंसा होती है। वित्तीय, आर्थिक, राजनीति, विज्ञान, अभियांत्रिकी, चिकित्सा और तकनीकी के साथ ही साहित्य कला, संस्कृति, सामाजिक कार्य आदि सभी क्षेत्रों में भारतीयों ने अपनी विशेष छाप छोड़ी है।
- आप सभी जानते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा जी ने भी भारतीय युवाओं की प्रतिभा का लोहा मानते हुए अपने देश के युवाओं से एक

बार कहा था कि यदि आप लोग मेहनत नहीं करेंगे तो भारतीय युवा आपसे आगे निकल जायेंगे।

- यह सम्मेलन ऐसी ही प्रतिभाओं के अनोखे संगम के रूप में उभरा है। जहां प्रवासी बन्धुओं का अपनी मातृभूमि से भावनात्मक जुड़ाव मजबूत हुआ है। आपसी मेल–मिलाप और विचारों के आदान–प्रदान से कई अहम मुद्दों पर भारत सरकार ने उनके हित में अनेक नीतिगत निर्णय लिये हैं।
- एक समय था जब देश में ब्रेन–ड्रेन की समस्या थी किन्तु मुझे यह कहने में गर्व महसूस हो रहा है कि आज भारत में ब्रेन–गेन की परिस्थितियां बन गई हैं।
- सौभाग्य से इस लोकतांत्रिक मुल्क में राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील, उप राष्ट्रपति डॉ. हामिद अंसारी, प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री एच.एस. कपाड़िया एवं लोकसभा की स्पीकर श्रीमती मीरा कुमार आदि विभिन्न वर्गों से संबंधित हैं। ये सभी देश की विनम्र सेवा कर रहे हैं। यह अपने आप में हमारे देश की अनेकता में एकता की शानदार मिसाल है।
- यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी एवं प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में केन्द्र की यूपीए सरकार के प्रयासों से आज हमारी अर्थव्यवस्था चीन के बाद विश्व की दूसरी तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है।
- हमें इस बात का भी गर्व है कि हमारे प्रधानमंत्री की मजबूत आर्थिक नीतियों के कारण विश्व में उत्पन्न आर्थिक मंदी के दौर में भी भारत पर उसका सबसे कम असर पड़ा। हमारे अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री की राय को विश्व के अन्य देश गंभीरता से लेते हैं। उनकी आर्थिक नीतियों का ही परिणाम हैं कि आज हम 9 प्रतिशत विकास दर के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यूपीए सरकार द्वारा सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, महानरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जननी शिशु सुरक्षा योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं का जो सफल क्रियान्वयन हुआ है वह अपने आप में एक नई मिसाल है। अब शीघ्र ही **राईट टू फूड** का भी कानून बनने जा रहा है।
- देश के विकास को नया आयाम देते हुए इस विकास को समावेशी विकास **(Inclusive Growth)** बनाने का श्रेय हमारे प्रधानमंत्री जी को ही जाता है।

आपके प्रयासों की बदौलत समावेशी विकास हमारी विकास प्रक्रिया का आज केन्द्र बिन्दू है।

- **प्रधानमंत्री जी ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि – ''तीव्र आर्थिक विकास से यदि गरीब और वंचित लोगों, हमारे किसानों, कामगारों, बच्चों, छात्रों और महिलाओं का कल्याण नहीं होता है तो ऐसे विकास के कोई मायने नहीं रह जाते हैं।''**
- **इसी प्रकार यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी ने कहा है ''यह सुनिश्चित करना हर सरकार की जिम्मेदारी है कि उसके विधायी कार्यक्रम के मूल में आम आदमी के कल्याण की चिन्ता हो और उसमें लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं की झलक मिलती हो।''**
- इसी से प्रेरणा लेकर केन्द्र सरकार की तर्ज पर राजस्थान सरकार ने भी विकास और सामाजिक सुरक्षा के अनेक कार्यक्रम शुरू किये हैं। **मुख्यमंत्री अन्न सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण बीपीएल आवास योजना, अफोर्डेबल हाऊसिंग पॉलिसी, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा योजना तथा राजस्थान लोकसेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम–2011 जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा (Social Security) देने का प्रयास किया गया है।**
- **इसके साथ ही IT, Infrastructure Development, Power Sector तथा Agriculture के महत्व को देखते हुए हमने इन Core Areas पर विशेष ध्यान दिया है। IT Development के लिए तो राज्य सरकार के सभी विभागों के बजट की 3 प्रतिशत राशि आरक्षित कर दी गई है। इन सबके उत्साहवर्धक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।**
- राजस्थान के अनेक बहुमुखी प्रतिभा के धनी और विशेष योग्यता वाले व्यक्ति देश–विदेश में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। उद्यमिता (**Entrepreneurship**) और कड़ी मेहनत राजस्थान की विशेषता है। देश के अधिकतर प्रसिद्ध औद्योगिक घराने भी राजस्थान से संबंध रखते हैं। बिड़ला, बांगड़, बजाज, गोयनका, सिंघानिया, पोद्दार, मित्तल आदि घरानों की उपलब्धियों से आप सभी

परिचित हैं। इनकी उद्यमिता (**Entrepreneurship**) से न केवल ये घराने बल्कि राजस्थान और हम सब गौरव का अनुभव करते हैं।

- आप जानते ही है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की रहनुमाई में चले आजादी के आंदोलन में हमारे उद्योगपति स्व. श्री घनश्यामदास बिड़ला, स्व. श्री जमनालाल बजाज और स्व. श्री आनन्दी लाल पोद्दार का योगदान रहा वहीं आजादी के बाद देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।
- इस आयोजन में हमारी भूमिका एक सहयोगी के रूप में रही है। फिर भी कुछ कमियां रही हो तो उसे आप नजर अंदाज करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। राजस्थानी संस्कृति के अनुरूप आपका आदर सत्कार हमारा फर्ज है। आशा है इस आयोजन के दौरान आप गुलाबी नगर के पर्यटन स्थलों के भ्रमण का पूरा आनंद उठाने के साथ यहां की सुनहरी यादें संजोकर अपने साथ ले जायेंगे और मुझे पूरी उम्मीद है आपकी यह यात्रा अविस्मरणीय रहेगी।
- आने वाला समय युवाओं का है। भारतीय मूल के प्रवासियों की युवा पीढ़ी का अपने देश और प्रदेश के युवाओं के साथ **Interaction** होते रहना चाहिए। मेरा सुझाव है कि आपकी मातृभूमि से अपनी नई पीढ़ी के नौजवानों को जोड़े रखने और उन्हें यहां की विरासत से परिचित कराने के लिए उनका इस देश में नियमित रूप से आते–जाते रहना जरूरी है। इसी से आपकी नई पीढ़ी के युवाओं का इस धरती से भावनात्मक संबंध बना रह सकेगा।
- इस उद्देश्य को लेकर मैं इस मुबारक मौके पर राजस्थान में **'अपने राजस्थान को जानिए'** कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा करता हूं। इस कार्यक्रम के तहत प्रवासी भारतीयों के प्रतिवर्ष 18–28 आयु वर्ग के युवा अपने प्रदेश के भ्रमण पर आयेंगे जिनकी हवाई यात्रा के किराये की 90 प्रतिशत राशि राजस्थान सरकार वहन करेगी। इसके साथ ही राज्य सरकार इस दल के आंतरिक परिवहन एवं आवास–प्रवास की व्यवस्थाओं पर होने वाला खर्च भी वहन करेगी।
- इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबका एक बार फिर मैं अपनी ओर से एवं प्रदेश की महान जनता की ओर से देश–विदेश से आये सभी महानुभावों का स्वागत और अभिनन्दन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

धन्यवाद ! जयहिन्द !